

आश्रम

बात कुछ साल पहले की है जब मैं एक आश्रम जा रहा था. अक्सर लोगो के दिमाग में आश्रम को लेकर कई दुर्विचार होते हैं जैसे वो मौजमस्ती का अड्डा होता है परन्तु ऐसा कुछ भी नहीं है, आश्रम एक पवित्र और मन को शान्ति देने वाली जगह होती है.

मेरी नई नई शादी हुई थी. मेरी पत्नी का नाम रीना था. रीना की उम्र २२ के करीब, पतली दुबली, रंग गोरा, गोल चेहरा, गुलाबी होंठ, लम्बे बाल, स्तन न तो ज्यादा बड़े न ही ज्यादा छोटे, पतली कमर, सामान्य कद की आकर्षक व्यक्तित्व की मालिक थी. मेरी शादी घर वालो की मर्जी से हुई थी. शादी से पहले मैंने रीना को कभी नहीं देखा था, शादी वाले दिन ही पहली बार रीना को देख कर अपनी किस्मत पर फक्र हो रहा था. सुहागरात के रात काम की वजह से कमरे में जाने मे देर हो गया और मैंने रीना से बात की और ये निर्णय लिया की सुहागरात हम अपने हनीमून मे ही मनाएंगे. दो दिन के कार्यक्रम के बाद हम हनीमून के लिए निकल गये. वैसे हनीमून ५ दिन बाद का था पर मैंने सोचा की ३ दिन आश्रम मे रुक जायेंगे.

पुणे स्थित आश्रम पहुंचे तो पता चला कि वहां बहुत भीड़ चल रही थी. न होटल मिल रहा था न आश्रम में जगह थी. बुरे फसे की स्थिति थी, तभी किसी ने पिछे से आवाज लगाई. मैंने पिछे मुड़ कर देखा, आर्यन था. आर्यन एक ३६ वर्ष का सन्यासी था और इस आश्रम मे मेरे खास परिचित मे से था, हमारे विचार काफी हद तक मिलते थे तो अच्छी दोस्ती थी. पहले जब आश्रम आता था तो अक्सर आर्यन के पास ही रुक जाता था. आश्रम के बाहर उसका एक कमरा था जिसमे अक्सर लोगो को ठहरा लेता था, इससे कुछ आमदनी हो जाती थी उसकी.

मेरे साथ रीना को देख कर उसने मुझे घुर कर देखा. मैंने मुस्कुरा कर बताया कि मेरी पत्नी है तो मुझे काफी खरी खोटी सुनाई, ये पुछा कि शादी मे क्यो नही बुलाया आदि आदि. गुस्सा कम शिकायत ज्यादा थी, मैंने प्यार से माफी मांगी तो मुस्कुराने लगा. फिर उसने आने का कारण पुछा तो मैंने बताया कि हनीमून पर जाना था पर सोचा की रीना को कुछ दिन आश्रम घुमा कर जाऊं.

आर्यन ने मुझ से कहा कि होटल या कुछ भी मिलना मुश्किल है, मैं खुद भी ये जानता था तो उसने ये सुझाव दिया कि उसके घर पर रुक जाऊं. वैसे अपनी नई नवेली दुल्हन के साथ एक मर्द के यहां रुकना ठीक तो नहीं लग रहा था पर हालात के हिसाब से मजबूरी थी. हम आर्यन के साथ उसके घर चल दिये म घर कुछ ज्यादा दुरी पर था पर सन्यासियों के लिये तो इतना चलना रोज की बात थी. लगभग १० मिनट मे हम उसके घर पहुंचे.

घर पुरा मेस था, सिर्फ मर्द रहेगे तो वैसे भी बेतर्तीब तो रहता है. एक रस्सी से कपड़े सूख रहे थे पर कुछ कपड़े आर्यन के नहीं लग रहे थे. मैंने आर्यन से पुछा तो उसने बताया की गांव से उसका भतीजा अजय आया हुआ है. अजय १७ साल का लडका था, हिष्ट पुष्ट, लम्बा. मैं उससे एक दो बार मिल चुका था और मुझे उसका नेचर बहुत अच्छा लगा था तो मैंने कुछ नहीं कहा

इस बारे में. थोड़ा अजीब लग रहा था कि हम दोनों दो मर्दों के साथ एक ही कमरे के घर में तीन दिन रहेंगे.

आर्यन ने सुझाव दिया कि हम लोग नहा कर नाश्ता कर ले, वो २ बजे तक आश्रम से वापस आयेगा, तब तक अजय भी आ जायेगा. मैंने सहमति दे दी और वो चला गया. मैंने पहले खुद नहाया फिर रीना को नहाने के लिये बोला. रीना ने कपड़े बदले और नहाने को चली, रीना ने नाईटी पहन रखी थी. जब पानी की आवाज आने लगी तो मैंने जा कर दरवाजे का मुआएना किया. लकड़ी के दरवाजे में ऊपर की तरफ एक झिरी थी. मैंने अंदर देखा तो रीना बिना कपड़ों के बदन पर साबुन लगा रही थी. पुरा बाथरूम साफ दिख रहा था. मैंने निर्णय लिया कि जब आर्यन या अजय घर पर होंगे तब हम नहीं नहाएंगे. होने के लिए दोनों सन्यासी हैं पर कोई रिस्क नहीं लेना चाहिए. नहाने के बाद रीना नाईटी पहन कर बाहर आ गई. उसके निप्पल नाईटी पर साफ झलक रहे थे. मैंने उससे पुछा कि वो ब्रा नहीं पहनी है क्या? उसने शरमाते हुए बताया कि वो जब साड़ी पहनेगी तब ब्रा पहन लेगी. मैंने कुछ नहीं कहा बस मुस्कुरा दिया.

नहाने के बाद मैंने खाने के बारे में पुछा तो उसने सहमति जताई. मैंने उसे बताया कि खाना लेने कुछ दूर जाना पड़ेगा और क्या वो अकेले रह लेगी. वैसे तो वो इतनी हिम्मत वाली नहीं थी फिर भी उसने बड़े आराम से कहा कि वो रह लेगी. मैंने उसे बताया कि मुझे ३० मिनट लग जायेंगे. उसे दरवाजा अंदर से बंद करने को कह कर मैं खाना लेने निकल पड़ा. आस पास की दुकाने बंद थी तो वापस आते आते ४० मिनट हो गये.

जैसे ही घर के दरवाजे पर पहुंचा तो अंदर से किसी मर्द की आवाज सुनाई दे रही थी. मैंने सोचा कि इस वक्त अंदर कौन हो सकता है इसलिए दरवाजे के एक झिरी से अंदर झांक कर देखा. अंदर अजय था और वो रीना से बात कर रहा था, उसने रीना को बताया कि आश्रम में कुछ जरूरी काम है इसलिए वो जल्दी आ गया, बस नहा कर निकल जायेगा. फिर वो मेरे बारे में पुछने लगा, रीना ने उसे बताया कि मैं खाना लेने गया हूं. इतनी बात के बाद वो अंदर घुस गया और मुझे किसी ने पीछे से आवाज दी. आटो वाला था, हड़बड़ी में उसको किराया देना भूल गया था. मैंने उसको किराया दिया और दरवाजा खटखटाने के लिए हाथ बढ़ाया तो फिर अजय की आवाज सुनाई दी. वो रीना को आवाज लगा रहा था कि वो टावेल ले जाना भूल गया है और वो उसे टावेल दे दे. उत्सुकतावश मैंने झिरी से अंदर झांक कर देखा तो रीना टावेल लिये बाथरूम के गेट पर खड़ी थी उसने अजय को आवाज लगाई कि वो टावेल ले ले.

अचानक अजय ने बाथरूम का पूरा दरवाजा खोल दिया, वो एक दम नंगा खड़ा था. मैं और रीना दोनों भौचक्के रह गये. अजय ने टावेल के साथ रीना का हाथ पकड़ कर रीना को बाथरूम के अंदर खींच लिया. ये सब इतना अचानक हुआ कि कुछ रिस्पांस करने का समय ही नहीं मिला. मुझे लगा कि २ मिनट में रीना चिल्लाते हुए बाहर आ जायेगी पर वो काफी देर बाहर नहीं आई तो मुझे डर सताने लगा. मैंने दरवाजे पर दस्तक दी, कोई आवाज नहीं आई तो मैंने फिर दस्तक दी. इस बार अजय ने पुछा कि कौन है. मैंने अपना नाम लेकर बताया और दरवाजा

खोलने को कहा. उसने कहा दो मिनट तो मैंने फिर झिरी से झांका. अजय ने दरवाजा खोला और रीना की नाईटी लेकर बाहर निकला और एक तरफ मुड़ गया. दरवाजा पुरा खुला हुआ था और रीना बिना कपड़ो के एक कोने में उकड़ु बैठी थी. उसने अपने स्तन अपने जाघो मे छुपा रखा था. थोड़ी देर में अजय दिखा वो नाईटी सुखा रहा था और रीना की साड़ी ब्लाऊज लेकर बाथरूम मे चला गया. फिर उसने जल्दी जल्दी बदन पर साबुन लगाया और टावेल लपेट कर बाथरूम से निकला, निकलते हुए उसने बाथरूम का दरवाजा टिका दिया. कुछ रुक कर उसने दरवाजा खोला. मैं अंदर गया और बिस्तर पर बैठ गया. मैंने रीना के बारे मे पुछा तो उसने बताया की क्योकि मुझे देर हो रही थी इसलिए वो घबरा गई थी और मुझे बाहर धुंधने गई है. मैं जानता था कि वो झुठ बोल रहा था पर क्या करूं कुछ समझ नहीं आ रहा था. अजय ने मुझसे कहा कि मैं बैठ कर रीना का इंतजार करू और वो नहा कर आ रहा है. मेरे कुछ बोलने से पहले ही वो बाथरूम मे घुस चुका था और बाथरूम का दरवाजा बंद कर चुका था.

मैं अपने होशोहवास खो चुका था, मेरी नई नवेली दुल्हन बिना कपड़ो के अपने से काफी कम उमर के लड़के के साथ बाथरूम मे बंद थी और ये जानते हुए कि मैं कमरे मे हूं चिल्ला नहीं रही थी. शायद एक लड़के के साथ इस स्थिति मे पकड़े जाने का डर और शर्म ने उसे चुप रहने पर मजबूर कर दिया था,या शायद अजय ने डराया धमकाया होगा.

मैं बहुत उत्सुक था ये जानने के लिए कि अंदर हो क्या रहा है. इसलिए दबे पांव मैं बाथरूम के दरवाजे तक गया और झिरी से अंदर झांक कर देखने लगा. अजय ने रीना को बाजू से पकड़ कर उठाया और चुप रहने का इशारा किया. रीना की नजरे निचे कि ओर थी और वो धीरे धीरे खड़ी हो गई. रीना का पुरा बदन थर थर कांप रहा था और पुरे बदन पर पसीना आ रहा था. अजय ने उसे दीवार से सटाया और उसके ऊपर ढह, उसका सीना रीना के स्तनो को दबा रहा था. उसने रीना की पीठ पर हाथ ले जाकर उसे बांहो मे जकड़ा और उसके गालो को चुमने लगा. रीना उससे बचने के लिए अपना सर इधर उधर करने लगी पर नाकाम रही. कुछ देर के बाद उसने रीना के होंठो को चुमने की कोशिश करने लगा. रीना आवाज तो नहीं कर रही थी पर अपना सर इधर उधर कर रही थी जिसके कारण वो उसके होंठो को चुम नहीं पा रहा था. उसने एक हाथ से रीना का चेहरा पकड़ा और उसके होंठो से अपने होंठ चिपका दिये. पुरी तन्मयता से वो रीना के होंठो का स्वाद लेने लगा. क्योकि रीना दरवाजे से ९० अंश के कोण पर खड़ी थी इसलिए रीना का बांया और अजय का दांया तरफ झिरी की तरफ था. मैं अंदर से जल रहा था, जलन, गुस्सा, चिढ़, दुख और कुछ न कर पाने की मजबूरी मुझे अंदर से अजीब सा एहसास दे रही थी. दिमाग में यही चल रहा था कि कैसे अपनी पत्नी कि कौमार्य कि रक्षा करूं. मैंने दरवाजा खटखटा कर कहा "अजय, जल्दी बाहर निकलो, मुझे भी अन्दर जाना है!" अजय ने रीना के होंठो को छोड़ा और गालो को चुम कर कहा, "पांच मिनट मेरे भाई, मुझे बस पांच मिनट लगेगा." अब पांच मिनट कुछ बोल ही नहीं सकता था. अजय ने रीना के होंठो को छोड़ कर थोड़ा नीचे झुका, और रीना के निप्पल को चुसने लगा. बीच बीच में वो रीना के स्तनो को मसल भी रहा था. २-३ मिनट तक रीना के स्तनो को मसलने के बाद वो खड़ा हुआ तो रीना ने हाथ जोड़ कर उसे कहा, "प्लीज, मुझे छोड़ दो, मुझे बरबाद मत करो."

वैसे रीना ने इतने धीरे कहा था कि आवाज सिर्फ अजय को सुनाई दे पर होंठों के हिलने के अंदाज से पता चल रहा था कि वो क्या बोल रही है. अजय ने आंखें निकाल कर कहा, "साली कुतिया! मुंह बंद कर, वर्ना इतने बेरहमी से चोदुंगा कि चीखने लगोगी, तेरे मियां के पता चल जायेगा वो अलग, कुछ नहीं बोला तो ठीक वरना तेरे मियां को यही काट कर गाड़ दूंगा, और तेरे को तब तक अपनी रखेल बना कर रखुंगा जब तक तेरे जिस्म से मेरा दिल नहीं भर जाता, फिर तुझे किसी कोठे पर बेच दूंगा. इसलिए अपना मुंह बंद रख और ज्यादा नौटंकी मत कर." डर रीना के चेहरे पर साफ झलक रहा था, डर तो अजय के शब्दों से मुझे भी लग रहा था. अजय कसरती बदन का था, मुझसे उंचा भी था, मैं किसी भी तरीके से उससे नहीं लड़ सकता था और अगर वो सच बोल रहा था ये सोच कर भी मेरी सांस रुकने लग रही थी. पर फिर भी रीना को किसी न किसी तरीके से बचाना ही था तो कोशिश तो करना ही था.

मैंने फिर से दरवाजा खटखटाया, "अजय पांच मिनट हो गये!" अजय ने फिर चिल्ला कर कहा, "पांच मिनट और भाई." मुझे फिर पांच मिनट के लिये खामोश होना पड़ा. अजय ने हाथ फिराते हुए हाथ रीना के योनि तक ले गया और एक उंगली रीना कि योनि में डाल दिया. रीना ने चुहंकर अपना सर पिछे कि तरफ फेंका और कुछ उपर की तरफ उछली. थोड़ा विराम देने के बाद अजय ने फिर उंगली रीना कि योनि में अंदर की तरफ घुसाया. रीना चुहंकी तो नहीं पर अपना सर पिछे कि तरफ फेंका और कुछ उपर की तरफ उछली. थोड़ा थोड़ा विराम दे कर अजय यही हरकत दुहराता रहा. रीना की शरीर में एंठन साफ दिख रहा था. लगभग तीन मिनट में रीना ने योनि रस छोड़ दिया. कुछ पल का विराम देने के बाद अजय ने रीना के सारे शरीर पर हाथ फेरा और उसे कंधों से दबा कर घुटनों के बल बैठा दिया. उसने अपना लिंग का छोर रीना के होंठों पर रख कर दबाव डाला. लिंग रीना के मुंह में चला गया और रीना की सांसे रुकने लगी. उसका लिंग बहुत मोटा और लम्बा था. वो रीना को मुख मैथुन करने को कह रहा था पर रीना इससे अंजान थी तो उसने खुद ही लिंग अंदर बाहर करने लगा. अपने हाथों से उसने रीना के स्तन पकड़ रखे थे और वो उसे जोर जोर से मसल रहा था. मैंने फिर से दरवाजा खटखटाया पर अजय ने कोई जवाब नहीं दिया. चेहरे के भाव बता रहे थे कि वो जवाब देने कि स्थिति में नहीं था. उसे बहुत मजा आ रहा था और ये चेहरे पर साफ झलक रहा था. मैंने दो तीन बार और दरवाजा खटखटाया पर अजय ने कोई जवाब नहीं दिया. कुछ ही देर में अजय ने रीना का सर बालों से पकड़ लिया और अचानक ही उसके शरीर की एंठन शांत हो गई. उसने अपने बीज रीना के मुंह में ही छोड़ दिया था. उसके अलग हटते ही रीना ने सारा वीर्य एक तरफ उगल दिया.

मैंने फिर से दरवाजा खटखटाया, वो अपना लिंग सहलाने में व्यस्त था. लिंग फिर से आकार लेने लगा. वो रीना के साथ जो कर चुका था वो तो कुछ नहीं था उसके सामने जो वो करने कि तैयारी कर रहा था. मैंने इस बार जोर से कई बार दरवाजा खटखटाया. अजय ने एक झटके से दरवाजा खोला और गुरीते हुए मेरा कॉलर पकड़ लिया. मुझे लगभग झंझोड़ते हुए कहने लगा, "सुनो मियां, मुझे और ३० मिनट या ज्यादा अंदर लग सकता है, क्योंकि मैं अपने हिसाब से नहाता हूं, कोई मुझे नहाते हुए डिस्टर्ब करता है तो मैं उसका मुंह तोड़ देता हूं. तो अगर तुमको बाथरूम में काम है तो गली के मोड़ पर सार्वजनिक शौचालय में चले जाओ. खबरदार जो मुझे डिस्टर्ब किया वरना बाहर आकर तुम्हारा मुंह तोड़ दूंगा. समझा!" मैंने सहमति में सर हिला दिया और उसने धर से दरवाजा बंद कर दिया. अब दरवाजा खटखटाने का तो प्रश्न ही नहीं उठता था तो मैंने झिरी में आंख गड़ा दी.

अजय ने रीना के कंधे को दबाते हुए उसे जमीन पर चित लिटा दिया और उसकी टांगे चौड़ी कर दी. उसकी योनि द्वार से गुलाबी फांक साफ दिख रही थी. और गीलापन भी झलक रहा था. अजय रीना के ऊपर लेट गया और कुछ देर तक उसके होंठों और गले को चुमता रहा. फिर उसने अपने लिंग को उसके योनि पर रखा और रीना के मुंह पर अपने हाथ का ढक्कन फिट कर दिया. अगले ही पल मेरी दुख का बांध फूट गया, एक झटके से उसने अपना लिंग रीना के योनि में प्रविष्ट कर दिया. रीना की आंखें कटोरो से बाहर आने लगीं और वो अपना पैर फेंकने लगी. अगर रीना के मुंह पर अपने हाथ का ढक्कन फिट न किया होता तो रीना चीख पड़ी होती. रीना का कौमार्य भंग हो गया था. अजय कुछ देर तक स्थिर रहा जब तक रीना ने अपने हाथ पैर झटकने बंद नहीं किये. फिर उसने धीरे धीरे धक्के लगाना शुरू किया. जब रीना पूरी तरह से स्थिर हो गई तो उसने रीना के मुंह पर अपने हाथ हटा लिया. धीरे धीरे धक्के होने लगे. जब धक्के लगा कर थक जाता था तो थोड़ी देर रुक कर रीना के होंठ चुमता था और स्तनो को मसलता था. आराम करके फिर धीरे धीरे धक्के लगाना शुरू कर देता था. लगभग १५ मिनट बाद उसका शरीर एंठ गया और चेहरे के भाव से पता चल रहा था की वो अपना बीज अंदर ही छोड़ रहा था. फिर उसने अपना लिंग बाहर खींचा. लिंग वीर्य से और खून से सना हुआ था. थोड़ा अलग हट कर अजय नहाने लगा और रीना उकड़ होकर बैठ गई.

तभी पिछे से दरवाजा खुलने कि आवाज आई तो मैं झट से बिस्तर पर बैठ गया. दरवाजे पर आर्यन था और वो अंदर आ गया. उसने रीना कि बारे में पुछा तो मैंने कहा ही वो पास ही घुमने गई है. उसने बताया कि उसे वापस आश्रम जाना है और वो नहाने आया था. उसने अजय के बारे में पुछा आउर बाथरूम की तरफ जाकर अजय को आवाज दी. फिर वो दोनो पंजाबी में बात करने लगे. दो मिनट में आर्यन टावेल लपेट कर बाथरूम के सामने खड़ा था. मैं उसे बाथरूम में घुसने से कैसे रोकूं यही सोच रहा था कि अजय गेट खोल कर बाहर आ गया. वो पूरी तरह तैयार था इसलिए सीधे बाहर चला गया और मेरे कुछ बोलने से पहले ही आर्यन अंदर घुस गया और दरवाजा बंद कर लिया.

मैं अपनी उत्सुकता दबा नहीं पाया और झिरी से अंदर झांकने लगा. आर्यन ने जैसे ही पलट कर देखा तो रीना को बिना कपड़ो के उक्कड़ू बैठे पाया. उसने इशारे से उसे उठने को कहा और उसी दीवार से उसे टिका कर खड़ा कर दिया जिस दीवार से अजय ने रीना को टिका कर खड़ा किया था. हालाकि दोनो इतने धीरे बोल रहे थे कि बाहर आवाज न आये पर होंठों के हिलने से पता चल रहा था कि दोनो क्या बात कर रहे हैं!

आर्यन ने कहा, "अभी तो अजय बाहर निकला है, तुम क्या कर रही थी अजय से साथ अंदर?" रीना ने नजरे झुका कर कहा, "अजय ने मुझे जबरदस्ती अंदर खींच लिया था." आर्यन ने पुछा, "तुम्हारा पति कहा था उस टाईम?" रीना ने कहा, "वो बाहर गये थे खाना लेने, अजय नहाने आया था, नहाने के लिए अंदर घुसा और मुझसे टावेल मांगा, मैं टावेल देने आई तो मुझे अंदर खींच लिया." आर्यन ने कहा, "बहुत कमीना है, है मेरा रिश्तेदार पर बहुत कमीना." आर्यन ने फिर पुछा, "तुम्हारे पति को पता है कि तुम अंदर हो?" रीना ने न मे सर हिलाया. आर्यन ने फिर पुछा, "क्या क्या किया अजय ने, सिर्फ ऊपर ऊपर मजा लिया या सब कुछ कर लिया?" रीना की नजरे झुकी हुई थी, वो थोड़ी देर रुक कर बोली, "सब कुछ कर लिया." आर्यन थोड़ी देर रुक कर बोला, "तुम चिल्लाई क्यो नहीं." रीना ने कहा, "उसने मुझे धमकी दी थी, मैं डर गई थी." आर्यन ने पुछा, "तुम्हे मालूम है कि तुम्हारा पति बाहर ही बैठा है." रीना ने सहमति में सर हिलाया. आर्यन ने आगे कहा, "अब जो हो गया सो हो गया, तुम अपने पति को

कुछ मत बताना, मैं उसे बाहर ले जाऊंगा और कह दूंगा कि तुम मेरे साथ आश्रम गई थी." रीना ने कहा, "आपका बहुत बहुत धन्यवाद, आपने मेरी परेशानी आसान कर दी, पता नहीं मैं आपका कर्ज कैसे चुकाऊंगी." मेरे खुद के नजर में आर्यन की इज्जत बढ़ गई थी पर अगले ही पल उतर भी गई. आर्यन ने अपने दोनों हाथों से रीना के दोनों स्तन थाम लिया और उन्हें सहलाने और मसलने लगा. उसने कहा, "एहसान का बदला तो अभी ही वसूल लूंगा, जो अजय करके निकला है मैं भी वही कर लेता हूँ." रीना कुछ कहना चाहती थी उससे पहले ही आर्यन ने कहा, "एक बार तो अजय सब कर चुका है, मैं भी कर लूंगा तो तुम्हारा कुछ नहीं जाएगा." रीना ने उसे स्तनों से खेलने से रोका तो नहीं पर एक सवाल पुछा, "अभी तो आप अजय को गालियां दे रहे थे, आप भी तो वही कर रहे हैं." आर्यन ने रीना के होंठों को चुमा और मुस्कुरा कर कहा, "अजय तुम्हें मुसीबत में डाल कर गया है और मैं तुम्हें मुसीबत से निकाल रहा हूँ, इतना तो अंतर है ही. पर अगर तुम्हें परेशानी है तो चलो बाहर चलते हैं और मैं तुम्हारी तुम्हारे पति से आमना सामना करवा देता हूँ." एक डर की लहर रीना के चेहरे पर साफ दिखाई दे रही थी, उसने थोड़ा रुक कर कहा, "नहीं! मुझे कोई परेशानी नहीं है, आप कुछ भी कर सकते हैं, मुझे सब शर्तें मंजूर हैं, पर अजय तो कोई नहीं लगता उनका पर आप तो उनके दोस्त हैं आपको भी तो दिक्कत होगी अगर उनको पता चल जाए." आर्यन ने कहा, "मानता हूँ अजय कमीना है, पर मैं भी कम नहीं हूँ, अगर तेरे पति मुझसे उलझेगा तो मैं भी वही करूंगा जो अजय कर सकता है. तुझे जी भर के नोचुंगा और फिर कोठे पर नुचवाने के लिए छोड़ दूंगा."

मैंने चुप रहने में ही भलाई समझी, आर्यन जोर जोर से रीना के स्तनों को मसलने लगा. दर्द की लहर रीना के चेहरे पर दिख रही थी पर आवाज मुंह से नहीं निकल रहा था. संतुष्ट होने के बाद आर्यन रीना के निप्पल चुसने लगा, बारी बारी से एक एक निप्पल को आराम से चुसता रहा पर बीच बीच में रीना के चेहरे के भाव बता रहे थे कि वो निप्पल को चबा भी रहा था. संतुष्ट होने के बाद उसने रीना के होंठों को चुमना शुरू किया और साथ ही रीना के योनि में भी उंगली डाल दी. जब भी आर्यन उंगली अंदर डालता था तो रीना थोड़ा उछल जाती थी. काफी देर बाद वो अलग हुआ और अपना टावेल उतार दिया. आर्यन का लिंग किसी भी तरीके से अजय से रती भर भी कम नहीं था, बल्कि ज्यादा ही था. आर्यन का लिंग देख कर रीना के चेहरे पर परेशानी साफ झलक रही थी. आर्यन ने रीना के टांगों को फैलाया और अपना लिंग रीना के योनि द्वार पर सटाया. रीना को समझ आ गया था कि क्या हो सकता है इसलिए उसने खुद अपने मुंह पर ढक्कन लगा लिया. उसने अपने हाथ से अपना मुंह बंद कर ली थी. आर्यन ने रीना के दोनों कंधों को पकड़ा और जोर से धक्का लगाया. पुरा लिंग अंदर समा गया, रीना के चेहरे पर दर्द की लहर दिख रही थी. वो चीखना भी चाहती थी पर मेरे बाहर होने के डर से उसने आवाज दबा ली. आर्यन ने धीरे धीरे धक्का लगाना शुरू किया. लगभग 3 मिनट के बाद रीना उन धक्कों से अभ्यस्त हुई और उसने अपने मुंह से अपना हाथ हटा लिया. आर्यन के धक्के इतने तीव्र थे कि ऐसा लग रहा था कि वो अपने बदन के भार से रीना को अपने और दीवार के बीच पीस देगा. धीरे धीरे धक्कों का वेग तेज होता गया और एक समय पर आर्यन ने अपना बीज अंदर छोड़ दिया. उसने थोड़े देर तक रीना के निप्पल और होंठों को चुसा और अलग हो गया. फिर दोनों साथ में नहाए. मैं फौरन बिस्तर पर बैठ गया. आर्यन कपड़े पहन कर बाहर आ गया. बाहर आते समय उसने बाथरूम का दरवाजा भीड़ा दिया. आर्यन ने बड़े भोलेपन से पुछा रीना के बारे में, मैंने उसे बताया कि वो अभी तक नहीं आई है. उसने कहा कि अगर मुझे चिंता हो रही हो तो मैं रीना को धुंधने जा सकता हूँ वो तब तक यही रुक जायेगा.

में भी कोई फसाद नहीं करना चाहता था तो बाहर निकल गया. लगभग ३० मिनट के बाद वापस आया तो रीना आर्यन के साथ कमरे में बैठी थी. मैंने उस से बस इतना ही कहा कि नये शहर में अकेले नहीं घुमने जाना चाहिए. आर्यन ने बीच में पड़ कर कहा, "तुम व्यर्थ में चिंता करते हो भाई, ये शहर आश्रम के लिए मशहूर है. इस शहर में कभी कुछ गलत नहीं हो सकता." मैंने और बहस करने की अपेक्षा चुप रहना ही उचित समझा. आर्यन के जाने के बाद रीना ने चुपचाप खाना खाया और सो गई.

मुझे पता था कि सुबह तक कोई ट्रेन नहीं थी तो सुबह तक रुकना मजबूरी थी, फिर भी अपने तरीके से होटल धुंधना शुरू किया पर नाकामयाब रहा. रात में ठीक आठ बजे आर्यन आ गया. उसने खाने के बारे में पूछा तो मैंने बताया कि रीना के साथ बाहर खाने जाऊंगा. उसने अजय को फोन किया और कुछ देर पंजाबी में बात करने के बाद बताया कि अजय शायद रात में आश्रम में ही रुकेगा. उसने कहा कि अब तो जिंदगी भर मैं रीना के साथ ही खाऊंगा एक दिन उसके साथ खा लू, वापसी में रीना के लिए ले आर्यंगे. बहुत जिद करने के बाद मैंने हा कह दिया और हम पास ही एक होटल में आ गये. एक कैबिन में बैठने के बाद आर्यन ने कहना शुरू किया, "सैम! मैं जानता हूँ कि रीना के साथ जो मैंने और अजय ने किया वो तुम जानते हो, और मुझे उसका अफसोस भी नहीं है. अगर तुम जाना चाहते हो तो जा सकते हो, पर ट्रेन तो सुबह ही है. अभी निकल कर स्टेशन पर इंतजार ही करोगे. और हमारा भी डर बढ़ा दोगे, जिसमें हम कुछ उलटा सीधा कर सकते हैं. सुबह पुरे सत्कार के साथ जाओगे तो हमें बहुत खुशी होगी." मुझे तो उसकी बातों से बहुत डर लग रहा था तो मैंने कोई जवाब नहीं दिया. उसने फिर पूछा कि अभी जाओगे या सुबह. मैंने धीरे से कहा सुबह. उसने कहा की रात भर रुक रहे हो तो एक बात बता ही देता हूँ. रात में ९ बजे के आसपास अजय आयेगा तो हम लोग फिर से एक बार रीना के साथ आन्नद लेगे. तुम बीच में मत पड़ना नहीं तो मुसीबत में आ जाओगे. हम बाथरूम के बजाए बिस्तर पर ही उसके साथ सब कुछ करेंगे. अगर तुम्हें अच्छा न लगे तो बाहर चले जाना. सुबह पुरे सत्कार के साथ तुम्हें विदा करेंगे. मुझे उसके बातों के विश्वास पर बहुत अचरज हो रहा था. वो एक पति के सामने ही ये कह रहा था कि वो और उसका रिश्तेदार आज रात में उसकी पत्नी को उसी के सामने भोगेंगे और या तो वो खड़े होकर देखे या मुंह छुपा कर बाहर भाग जाये. पर मेरी स्थिति में उसका पलड़ा भारी था, मैंने कुछ जवाब नहीं दिया. वो मुस्कुराया और खाने के बारे में पूछने लगा तो मैंने कह दिया कि मुझे खाने का मन नहीं है. उसने कहा कि वो समझ सकता है तो उसने रीना के लिए कुछ बंधवाया और हम वापस चले आये. रीना को खाने के लिये दिया तो उसने भी बेमन से थोड़ा ही खाया और बाथरूम जा कर मैक्सी पहन कर आ गई. आर्यन ने लुंगी पहन ली और मैंने भी कपड़े बदल लिये. रीना निचे ही लेट गई और सोने कि कोशिश करने लगी.

कुछ ही देर में अजय आ गया और उसने आर्यन से पंजाबी में थोड़ी बात की. उसके बाद उसने रीना को आवाज लगा और उठने को कहा. रीना उठ कर बैठ गई. उसने रीना को खड़े होकर पास आने को कहा. रीना मुझे देखने लगी पर मैं कोई प्रतिक्रिया नहीं कर सका. उसने रीना की तरफ देखा और पास आ कर उसे हाथ से खींच कर उठाया और अपने पास खड़ा कर लिया. रीना बार बार मुझे ही देख रही थी, अजय ने पुचकारते हुए कहा, "रीना, बाथरूम जाओ और सारे कपड़े उतार कर आ जाओ." उसने एक झटके से अजय को देखा फिर मुझे देखा. अजय ने आगे कहा, "उसे क्या देख रही हो, हमारे आश्रम का नियम है कि चीजों को मिल बांट कर भोगते हैं, तुम्हारे पति भी आश्रम के सदस्य हैं तो तुम्हें भी मिल बांट कर भोगेंगे. अब जल्दी जाओ." रीना ने फिर मुझे देखा तो मैंने सर झुका लिया. वो चुपचाप बाथरूम में घुस

गई, २ मिनट में बाहर आई तो बिलकुल निर्वस्त्र थी. मैं चोर नजरों से उसे देख रहा था. अजय ने मुस्कुरा कर उस से बिस्तर पर चित लेटने को कहा. वो थोड़ा झिझकी फिर बिस्तर पर जाकर लेट गई. अजय और आर्यन से पंजाबी में थोड़ी बात की और दोनों उसके अगल बगल जा कर लेट गये. दोनों ने उसके एक एक स्तनों को थाम लिया और निप्पल को चुसने लगे. एक एक हाथ रीना के जांघों के बीच रख कर बारी बारी से रीना के योनि में ऊंगली घुसाते रहे. कुछ ही देर में उन्होंने रीना के दोनों स्तन थाम लिये और उसके निप्पल को चुसते हुए उसके स्तनों को मसलने लगे. रीना दर्द से कसमसाने लगी. कुछ देर में पश्चात दोनों संतुष्ट हुए तो उठ कर दोनों ने कपड़े उतार दिये. पहला नम्बर आर्यन का था. वो रीना के टांगों को फैला कर उस पर चढ़ गया और कुछ देर तक उसके होंठों को गाल को, गले को चुमता रहा. फिर उसने अपना लिंग उसके योनि पर रख कर एक जोर के झटके से उसे अंदर डाल दिया. वेग इतना था की रीना की चीख निकल गई. आर्यन धीरे धीरे धक्के लगाने लगा, धीरे धीरे धक्को का वेग बढ़ने लगा और साथ ही रीना की कराहें भी और एक चरम पर पहुंचने के बाद आर्यन ने अपना बीज अंदर छोड़ दिया. आर्यन के उठते ही अजय रीना के टांगों के बीच आ गया और अपना लिंग उसके योनि पर रख कर एक जोर के झटके से उसे अंदर डाल दिया. वेग तो बहुत था पर रीना सह गई. अजय धीरे धीरे धक्के लगाने लगा. लगभग १५ मिनट के बाद अजय ने अपना बीज अंदर छोड़ दिया और खड़ा हो गया.

इस बीच आर्यन अपने लिंग को सहला रहा था, अजय ने भी अपना लिंग सहलाना शुरू किया, कुछ ही देर में लिंग फिर से तन गया था. मुझे समझ आ रहा था कि उनका एक और राऊंड का विचार था, उन्होंने दराज से क्रीम निकाली और अपने अपने लिंग पर लगाने लगे. जब पुरी तरह से क्रीम से अपना लिंग भीगा चुके तो अजय ने रीना को टांगों से पकड़ कर बिस्तर के नीचे की तरफ खींचा, रीना कमर तक बिस्तर पर थी और रीना को उलटा लिटा दिया. उसकी टांगें निचे को झुल रही थी. इस से पहले कि मैं या रीना कुछ समझ पाते अजय ने अपना लिंग पीछे के छेद कर लगाया और रीना के स्तनों को अपने दोनों हाथ में कस कर भींच लिया. उसने एक झटके से अपना पूरा लिंग रीना के पीछे के छेद में अंदर तक घुसा दिया. रीना के मुंह से चीख निकल गई. चीख इतनी तेज थी कि मुझे खुद सिहरन होने लगी. अजय कुछ देर रुका रहा जब तक रीना पुरी तरह से शांत नहीं हो गई. फिर उसने धीरे धीरे धक्के लगाना शुरू किया. हर एक धक्को पर रीना की सिसकी निकल रही थी. अजय बीच बीच में रुक कर रीना के स्तनों को मसलता और उसके पीठ और कंधों को चुमता. लगभग २० मिनट के बाद उसने अपना बीज अंदर छोड़ दिया और खड़ा हो गया. उसके हटते ही आर्यन ने वो जगह ले ली. उसने भी धीरे धीरे धक्के लगाना शुरू किया. अजय की तरह ही आर्यन भी बीच बीच में रुक कर रीना के स्तनों को मसलता और उसके पीठ और कंधों को चुमता रहा. लगभग १५ मिनट के बाद उसने अपना बीज अंदर छोड़ दिया और खड़ा हो गया. दोनों ने रीना के दोनों छेदों को गीले कपड़े से पोछा और चित बिस्तर पर लिटा दिया. दोनों उसके अगल बगल लेट गये और अपना अपना चेहरा रीना के गले के पास रख लिया. अजय ने अपना एक हाथ रीना के पेट पर और आर्यन ने छाती पर रख लिया. दोनों ने अपनी एक एक टांगें रीना की टांगों पर चढ़ा दी और बारी बारी से रीना के गाल, गले, और होंठों को चुमते रहे. बारी बारी से रीना के स्तनों को सहलाते और हलके हाथों से मसलते रहे. आर्यन ने मुझसे कहा, "सैम, तुम नीचे ही सो जाओ, हम भी सो रहे हैं." मैंने रीना की तरफ देखा तो अजय ने कहा, "इसे हमारे बीच ही सोने दो, बहुत थक गई है, बिस्तर पर अच्छी नींद आयेगी." मैं बहस नहीं करना चाहता था इसलिए नीचे ही लेट गया.

रात में आंख लग गई तो सुबह ही खुली, रीना और अजय बिस्तर पर नहीं थे सिर्फ आर्यन ही बिस्तर पर लेटा हुआ था. मुझे देख कर बोला, "अजय और रीना बाथरूम में नहा रहे हैं, इसके बाद मैं नहाऊंगा, उसके बाद तुम नहा लेना, अभी ट्रेन के लिए २ घंटे हैं. अजय तो नहीं जा पाएगा पर मैं तुम दोनों को स्टेशन तक छोड़ दूंगा." मैंने कहा कुछ नहीं बस सर हीला दिया. आर्यन ने आंखें बंद कर ली तो मैं टहलते टहलते बाथरूम के गेट तक पहुंच गया. बाथरूम का गेट आधा खुला हुआ था तो मैंने अंदर झांका. अंदर रीना और अजय बिना कपड़ों के खड़े थे. दोनों के बदन भीगे हुए थे और रीना के बदन पर अजय साबुन लगा रहा था. जिस समय मैंने अंदर झांका था वो रीना के स्तनों पर साबुन लगा रहा था. साबुन के बहाने वो रीना के स्तनों को कस के मसल रहा था. जब वो पुरी तरह से साबुन लगा चुका तो उसने खुद साबुन लगाया और फिर दोनों नहा लिये. अजय बाहर आने को हुआ फिर रुका और उसने रीना को ज़मीन पर लिटा दिया. वो खुद रीना पर लेट गया और उसकी योनि में लिंग घुसा दिया और थोड़ी तेजी से धक्के लगाने लगा. १५ मिनट में संतुष्ट होने के बाद खुद भी उठा और रीना को भी उठाया और एक बार फिर दोनों नहाये. नहाने के बाद अजय ने रीना के और खुद के बदन को पोछा और अपने कमर पर टावेल लपेट लिया. फिर रीना को गोद में उठा कर बाहर आ गया. मुझे बाथरूम के गेट पर खड़ा देख कर गुर्गते हुए बोला, "खा नहीं जाऊंगा तुम्हारी पत्नी को जो हर वक्त नजर रखे रहते हो!" आर्यन ने उसे डपटते हुए कहा, "क्या अजय? सैम ने तो अपने भाईचारे का सबूत दिया है, अपनी नई नवेली दुल्हन की नथ उतारने दिया है, और रात भर उसे भोगने भी दिया है. तुम फिर भी उस पर नाराज हुए जा रहे हो." अजय ने आर्यन से कहा, "चाचा भाईचारे में नहीं डर में, और मैं क्या कम भाईचारे का सबूत दे रहा हूं, इसकी पत्नी मुझे इसके साथ जाने दे रहा हूं. वरना इसकी पत्नी तो मुझे इतनी पसन्द है कि मैं इसे अपनी रखेल बना कर रख लेता, खुद भी इसकी जवानी का रस चुसता और अपने दोस्तों को भी इसकी जवानी चखाता." न आर्यन ने कुछ कहा न मैंने कुछ कहा.

अजय रीना को गोद में लेकर बैठ गया और आर्यन बाथरूम में घुस गया. नहा कर बाहर आया तो मुझे अंदर भेज दिया. मैं जल्दी जल्दी नहा कर बाहर आया दो देखा कि अजय तैयार होकर जा चुका था और रीना घुटनों के बल बैठी आर्यन के लिंग को चुस रही थी. साफ पता चल रहा था कि ये करने का रीना का बिल्कुल मन नहीं था और आर्यन उससे जबरदस्ती ये करवा रहा था. १० मिनट के बाद आर्यन रीना के मुँस में ही संखलित हो गया. रीना ने उसका वीर्य बाहर थूक दिया. उसके बाद आर्यन तैयार हो गया. मैं भी तैयार हो गया पर आर्यन ने रीना को कपड़े नहीं पहनने दिये. उसके बाद सबने बैठ कर नाश्ता किया. रीना बिना कपड़ों के ही बैठ कर नाश्ता की. फिर तैयार होने लगी.

उसके बाद हम तीनों स्टेशन पहुंचे. मैंने सामान ट्रेन में रखा और रीना को अंदर बैठा दिया. आर्यन ने मुझे प्लेटफार्म पर बुला लिया और बातें करने लगा. उसने कहा, "सैम, हम जानते हैं कि ये सब तुम्हारे लिए अच्छा अनुभव नहीं था, पर अजय तुम्हारी पत्नी को देख कर सैयम नहीं रख सका और न ही मैं.

अब जो हुआ उसे भूल जाओ और अपनी जिंदगी जियो." मैंने कोई जवाब नहीं दिया तो उसने आगे कहा, "अच्छा पहलु देखोगे तो रीना को यौन कला में निपुर्ण कर दिये हैं और उसका हर एक छेद खोल दिये हैं, तुम्हें किसी भी क्रिया में परेशानी नहीं होगी, अब रीना को सम्भोग का स्वाद लग गया है, उसे उपेक्षित मत कर देना, वरना अपने ही घर में नौकरो के साथ रीना को बाथरूम में पाओगे." ट्रेन ने सिग्नल दिया तो मैं बिना कुछ बोले ही ट्रेन में चढ़ गया. हनीमून पर जाने के बजाय हम घर वापस आ गये. २ हफ्ते लगे इस झटके से उबरने में और उसके बाद ही मैंने रीना के साथ पहली बार सम्भोग किया. फिर धीरे धीरे आश्रम की यादे धुंधली होती गई और हम अपनी जिंदगी में बस गये.